खाटू से जब चले | By Hari Sharma

खाटू से जब चले तो दिल ये रोता है
क्यूँ बाबा तुमसे बिछड़ना हमारा होता है
क्या बाबा तुम भी तड़पते हो ऐसे
या फिर मेरे साथ ही क्यूँ ऐसा होता हिअ

याद तेरी मन में लेके हम चले बाबा
आएंगे फिर से सांवरिया करते हैं वादा
देख लेना प्यार से एक बार तुम हमको
भूल ना जाना सांवरिया है कसम तुमको
ऐसे दर्द से क्यूँ गुज़रना होता है
क्यूँ बाबा तुमसे बिछड़ना हमारा होता है
खाटू से जब चले .....

दर्श तेरे जो करे सब याद आएंगे
तेरी सूरत को कभी ना भूल पाएंगे
कितना सुन्दर था तेरा श्रृंगार सांवरिया
देख के जिसको हुआ मन मेरा बावरिया
प्यार तेरा सच्चा है बाकी धोखा है
क्यूँ बाबा तुमसे बिछड़ना हमारा होता है
खाटू से जब चले .....

चाहूँ बाबा तुम करो कुछ ऐसी दातारी
तेरे चरणों में कटे हरी उम्र ये सारी
तेरे लायक ना सही फिर भी निभा लेना
मुझको निज सेवा में सांवरिया लगा लेना
चरण आंसुओं से भगत ये धोता है
क्यूँ बाबा तुमसे बिछड़ना हमारा होता है
खाटू से जब चले .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%9c%e0%a4%ac-%e0%a4%9a%e0%a4%b2%e0%a5%87-by-hari-sharma/